किसानों को जलवायु परिवर्तन की दी जानकारी

गाजीपुर | निज संवाददाता

गोष्ठी

- कृषि विज्ञान केन्द्र व नेफोर्ड कट्स इंटरनेशनल की तरफ से हुई गोष्ठी
- कृषि उत्पादन बढ़ाने के बारे में विस्तार से किसानों को बताया

जलवायु परिवर्तन में कृषि उत्पादन में जल प्रबंधन की महत्ता पर कृषि विज्ञान केन्द्र की तरफ किसानों को जानकारी देने के लिए शुक्रवार को गोष्ठी आयोजित की गई।

पीजी कालेज के पास स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र और नेफोर्ड कटस इंटरनेशनल के द्वारा संयुक्त आयोजित गोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक डॉ. दिनेश सिंह ने बताया कि आज हर तरफ जलवायु परिवर्तन की बात चल रही है। उसके दुष्परिणामों को कम करने के उपाय तलाशे जा रहे हैं। यह सत्य है कि खाद्यान्न, पानी,. उर्जा तीनों एक दूसरे से जुड़े हैं। बताया कि कटस इंटरनेशनल द्वारा एक परियोजना चलाई गई है। जिसमें भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश तथा पाकिस्तान में इसको विस्तार से संचालित किया जा रहा है। परियोजना मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को खासकर किसानों को खाद्यान्न उत्पादन की जानकारी देना है। पानी निकालने के लिए उसके उपयोग हेतु उर्जा की जरूरत होती है। इसी तरह उर्जा पैदा करने के लिए पानी की जरूरत होती है। इसलिए पानी और उर्जा का प्रबंधन करना अतिआवश्यक है। तभी हम खाद्यान्न का सही प्रकार से उत्पादन कर सकते हैं। इन्ही सबके सही प्रयोग से हम अधिक से अधिक अन्न पैदा कर सकते हैं।

गोष्ठी में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर उदय प्रताप सिंह द्वारा जल प्रबंधन की नवीन जानकारियों के साथ गुणवत्तापूर्ण जल से उन्नत कृषि व सूक्ष्म सिंचाई के ाधन तथा लेजर समतलक द्वारा जल उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। नेफोर्ड के निदेशक डा. आरके सिंह ने भी जल की महत्ता के साथ साथ भावी समस्याओं का जिक्र करते हुए उनके समाधान के बारे में बताया। गोष्ठी में सौ से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र के चेयरमैन राजेश्वर प्रसाद सिंह के दिशा निर्देशन में किया गया। किसानों में जगन्नाथ, ईश्वरीप्रसाद, कृष्ण कुमार, विजय नारायण, कुमुद लाल समेत अन्य थे।

कृषि विज्ञान पीजी कॉलेज में किसानों को प्रशिक्षण देते बीएचयू के प्रोफेसर यूपी सिंह।